पाठ 14. अक्षय धन

पाठ का उद्देश्य

अक्षय धन अर्थात् कभी न खत्म होने वाला धन। व्यक्ति के अच्छे गुण, उसका स्वभाव, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा यह ऐसा खज़ाना है जो कभी समाप्त नहीं होता। प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को अपने अंदर इन गुणों को संचित करने के लिए प्रेरित करना है।

पाठ का सारांश

पुराकुर्थी गाँव के एक स्कूल में डिप्टी साहब का मुआयना था। स्कूल के प्रधानाचार्य बाबू नारायण सिंह एक अनुशासित एवं कर्तव्यनिष्ठ इनसान थे। स्कूल के अध्यापक तथा विद्यार्थी डिप्टी साहब का भव्य स्वागत करते हैं। डिप्टी साहब रोशनलाल नामक बच्चे से कुछ प्रश्न पूछते हैं तो सारे बच्चे खिलखिला उठते हैं। रोशनलाल के पिता मुसद्दीलाल स्कूल के बाहर ठेली लगाते थे। मुसद्दीलाल को पैसों से ज़्यादा बच्चों की देख-रेख की चिंता रहती थी। डिप्टी साहब ने निरीक्षण-टिप्पणी में स्कूल की बहुत तारीफ़ की। कई सालों बाद प्रधानाचार्य बाबू नारायण सिंह को 'राष्ट्रपति पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। डिप्टी साहब अपने पदोन्नति के प्रस्तावों को ठुकराते रहे और सादगी भरा जीवन जीते रहे। रोशनलाल भी पढ़-लिखकर अधिकारी पद पर पहुँच गया था। डिप्टी साहब और नए अधिकारी बने रोशनलाल की मुलाकात बड़े हार्दिक तरीके से होती है। इस पाठ के प्रत्येक चरित्र के पास सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और संतोष का ऐसा धन है जो कभी खत्म नहीं हो सकता।

अध्यापन संकेत

पाठ का आदर्श वाचन करें। पाठ के महत्वपूर्ण अंशों को समझाएँ। बच्चों से एक आदर्श शिक्षक के गुण बताने को कहें। उन्हें पाठ का मूल भाव समझाएँ। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- तुम्हारी दृष्टि में ऐसे कौन-कौन से गुण हैं जो अक्षय हैं?
- तुम क्या सोचते हो, अनुशासन का पालन क्या केवल विद्यार्थी जीवन में ही करना आवश्यक होता है? क्या इसकी आवश्यकता जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में नहीं रहती?
- डिप्टी साहब मुंशी निरंजनलाल अपनी पदोन्नति के अवसर ठुकराते रहे। तुम्हें क्या लगता है ऐसा करके उन्होंने सही किया?
- क्या वर्तमान समय में भी कोई व्यक्ति डिप्टी साहब की तरह इतना संतोषी हो सकता है, जो अपनी तरक्की को यों अस्वीकार करता रहे और यदि कोई व्यक्ति ऐसा करता भी है तो उसकी विचारधारा या सोच कैसी होती होगी? अपने विचार से उत्तर दीजिए।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।